कौलेक्ट

सर्वशक्तिमान पिता जीवन और स्वास्थ्य के दाता, जो कुष्ठ रोग से पीड़ित हैं, उन पर दया कीजिये। अपने हाथों को छूने और उन्हें चंगा करने के लिए बढाए जैसा कि यीशु ने अपने सांसारिक जीवन के दौरान किया था। उन लोगों को ज्ञान और अगवाई प्रदान करें जो बीमारी की रोकथाम और इलाज का काम कर रहे हैं; उन लोगों को कौशल और सहानुभूति दें जो रोगियों की सेवा करते हैं; उन्हें फिर से एक कीजिये जो अपने परिवारों और दोस्तों से अलग हो गए हैं; और अपने लोगों को लेप्रोसी मिशन के सामने निर्धारित कार्य को करने के लिए प्रेरित करें, कि इसमें न कभी भी कर्मचारियों की कमी नहीं हो और न उपचार कार्य करने के साधनो की, आपकी इच्छा के अनुसार, और आपके पवित्र नाम की महिमा के अनुसार। **अमिन।**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Mrs Sujaya Kingston, Mrs Shirley Thomas, Rev. GH Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Dalip Kumar Ghosh, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Ruth Peace, Mrs. Virginia Sen, Mr. Suresh Kukde, Mrs. Jyotika Suraj, Master Arnav Vyas, Mrs. Savitri and Mrs. Cynthia Nathaniel.

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
20th Jan	Aman Samuel
22nd Jan	Cynthia E.Nathanial, Rekha Simon
23rd Jan	Saniya Singh
25th Jan	Prakash Manwar, Mr. & Mrs. Prem Dass

NOTICES

- We give thanks to Mr. Garland Nathaniel for sharing God's word with us this morning.
- Those of you who are celebrating their Birthdays & Wedding Anniversaries in the coming week and would like to do a reading/intercession are requested to give your names to the Presbyters / Church Office.
- Collection from last Sunday Services was **Rs. 36,286/-**

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,

A-24 Green Park, New Delhi-110016

कुष्ठरोग रविवार

प्रभु येशु के जन्म-दिवस के पश्चात चौथा रविवार

19 जनवरी 2020

परमेश्वर उन सभी पर दया करते हैं जो इस दुनिया में पीड़ित हैं।

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	**Mrs. Kiran Mohan** 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,
gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com
www.freechurchgreenpark.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

आपको जय मसीह; इस सुबह के ध्यान के लिए हमारी थीम है "परमेश्वर उन सभी दया करते हैं जो इस दुनिया में पीड़ित हैं।" हम में से कई लोग दुख के भयानक दौर से गुजरे हैं और हो सकता है कि आप में से कुछ अभी इससे गुजर रहे हों और सोच रहे हों कि क्या परमेश्वर आपके दुख को समझते हैं। इसके बारे में कुछ करेंगे। यीशु के सांसारिक सेवा के दौरान, हम देखते हैं कि जब भी उन्होंने किसी को बीमार या पीड़ित देखा और उन्हें ठीक किया, वह करुणा से भर जाते थे। हमारा प्रभु करुणा और दया का प्रभु है और वह दुख की पीड़ा को समझता है।

पुराने नियम के पाठ में राजाओ की पुस्तक में हम देखते हैं अराम के राजा का नामान नामक सेनापति अपने स्वामी की दृष्टि में ऊंचा और प्रतिष्ठित पुरुष था, क्योंकि यहोवा ने उसके द्वारा अरामियों को विजयी किया था, और यह शूरवीर था, परन्तु कोढ़ी था। पुराने समय में कुष्ठ रोग एक अछूत बीमारी के रूप में देखा जाता था और जो लोग कुष्ठ रोग से ग्रस्त होते थे, वे बहिष्कृत थे। उन्हें शहर की सीमा के बाहर रहना पड़ता था और आम तौर पर जब भी वे लोगों को देखते थे, तो उन्हें चिल्लाना पड़ता था, " अपवित्र, अपवित्र"। नामान के मामले में हालत शायद इतने ख़राब नहीं थे क्योंकि वह अभी भी रजा की सेना में सेवारत था।

नामान के घर में इज़राइल की एक छोटी बंदी लड़की थी जो नामान की पत्नी की सेवा करती थी। सेवक लड़की ने नामान की पत्नी को बताया, जो मेरा स्वामी शोमरोन के भविष्यद्वक्ता के पास होता, तो क्या ही अच्छा होता! क्योंकि वह उसको कोढ़ से चंगा कर देता। जिस छोटी लड़की का नाम नहीं बताया गया है, वह अपने गुरु के प्रति दया दिखाती है। नामान तब जाता है और राजा को इज़राइल में इस नबी द्वारा चंगा होने की संभावना के बारे में बताता है। तो अराम के राजा ने उसे इज़राइल के राजा के पास भेजा और उसे उसके कुष्ठ रोग का इलाज करने के लिए कहा। इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े और कहा, “क्या मैं परमेश्वर हूँ? क्या मैं मार कर वापस जीवन में ला सकता हूं? उस पुरुष ने मेरे पास किसी को इसलिये भेजा है कि मैं उसका कोढ़ दूर करूं? सोच विचार तो करो, वह मुझ से झगड़े का कारण ढूंढ़ता होगा।”

यह सुनकर कि इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े हैं, परमेश्वर के भक्त एलीशा ने राजा के पास कहला भेजा, तू ने क्यों अपने वस्त्र फाड़े हैं? वह मेरे पास आए, तब जान लेगा, कि इस्राएल में भविष्यद्वक्ता तो है।

तब नामान घोड़ों और रथों समेत एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ। तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा, कि तू जा कर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा। " नामान गुस्से में था क्योंकि न तो एलीशा उसे मिलने के लिए बाहर आया और न ही उसने उसे यरदन में सात बार जाने के अलावा कुछ भी चमत्कारी करने के लिए कहा। यरदन विशेष रूप से एक साफ नदी नहीं थी और वह जानता था कि दमिश्क में बेहतर नदीयां थी। तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान कर के शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये। तब नामान ने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जा कर उस में सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया। पुराने नियम में नामान का ईश्वरीय सामर्थ का अनुभव सबसे बडा मन-परिवर्तन, अंगीकार है: " अब मैं ने जान लिया है, कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है" छोटी ईज़राइली लड़की ने एक विदेशी भूमि में याहवे की गवाही दी। अराम की सेना का सेनापति को उसकी वास्तविक दुर्दशा ने उसे परमेश्वर और उसकी उपचार शक्ति के बारे में गवाही देने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर ने नामान को चंगा किया जो बदले में जीवित परमेश्वर की गवाही देता है कि इस्राएल के अलावा कोई अन्य परमेश्वर नहीं है।

नए नियम में मरकुस के सुसमाचार से पढ़े गए पाठ, हम देखते हैं कि कैसे यीशु ने एक ऐसे व्यक्ति को चंगा किया जो कुष्ठ रोगी था। हालाँकि, यीशु उसके पास पहुँचा और उसकी करुणा के कारण उसे चंगा किया। यीशु भी परमेश्वर के दयालु हृदय को प्रकट करता है क्योंकि वह उन लोगों के साथ पीड़ा को सहता है जो पीड़ित हैं और उनका उपचार करते हैं।

शिष्यों ने भी चंगाई का कार्य जारी रखा जो कि प्रेरितों के काम में दर्ज है। वो भी दया से भर गए और इसलिए लोगों के लिए उनके जीवन में चंगाई लाने के लिए सिफारिश की।

कलीसिया को भी उन पर दया करने के लिए आगे आना चाहिए जो पीड़ित हैं और उनके चंगाई के लिए प्राथना करे। जिस तरह यीशु ने उन लोगों के साथ दुःख झेले जो पीड़ित हैं, हमे भी उन लोगों के समीप जाना चाहिए जो पीड़ित हैं और उनकी सेवा करनी चाहिए। हम एम्स और सफदरजंग के करीब रहते हैं और बहुत बार हम ऐसे लोगों के साथ मिलते हैं जो पीड़ित हैं और उन्हें परमेश्वर के उपचार स्पर्श की सख्त जरूरत है। हमारा एक कलीसिया के रूप में क्या जवाब है? क्या हम उन लोगों पर दया करते हैं जो बीमार और पीड़ित हैं और क्या हम उनके पास पहुँचते हैं? या हम परेशान हैं कि कष्ट हमारे चर्च में आ रहे हैं और हमारे दरवाजे खटखटा रहे हैं। परमेश्वर हमें उनकी करुणा और प्रेम से भर दे कि हम भी उन लोगों की पहचान कर सकें जो पीड़ित हैं और उनके जीवन में चंगाई लाये।

शालोम

पॉल स्वरुप

प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

“परमेश्वर खेदित मन वालों को चंगा करता है, और उनके शोक पर मरहम- पट्टी बान्धता है।” (भजन 147:3)

धर्मसेवक	पॉल स्वरूप	
अगुआ	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	म. गी. कि. 591	मैं नबीना जग में फिरता
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	2 राजा 5:1-14	एलिश्बा किंडर
दूसरा पाठ	प्रेरितों 5:12-16	अलेक्जेंडर डेनियल
गीत	म. गी. कि. 203	अब खुदा को शाह आसमानी
सुसमाचार	मरकुस 1:40-अंत	विशाल पॉल
उपदेश		गरलेंड नथेनियल
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	इलियाशी
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17- 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	म. गी. कि. 582 **जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.**	तेरे दिल के दर पर
प्रभु भोज	क्रम संख्या 26-40	पॉल स्वरूप
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरूप
अन्तिम गीत	म. गी. कि. 108	तेरी शिरीन आवाज़
राष्ट्रीयगान		